जय गुरु देव

गुरुभक्तों का यह उद्देश्य ।
आध्यात्मिक गुरु हो भारत देश ।।

हाथ जोड़कर विनय हमारी ।
तजो नशा बनो शाकाहारी ।।

निजधाम वासी परम् पूज्य
बाबा जयगुरुदेव जी महाराज

गुरु पूजा में सबकी पूजा, गुरु समान कोई देव न दूजा।

परम् सन्त बाबा उमाकान्त जी महाराज

सन्तमत के अनुसार इस समय कलयुग में गुरु का बहुत बड़ा महत्व है, और जब समर्थ गुरु मिल जाते हैं, दया कर देते हैं तब दुख, तकलीफ, बीमारी, टेंशन तो खत्म होती ही हैं साथ ही साथ जीवात्मा के कल्याण का रास्ता भी मिल जाता है। ऐसे समर्थ गुरु स्पर्श करके या दया की दृष्टि डालकर के प्रसाद रूप में जब कोई चीज देते हैं तो वह फलदाई होता है।

गुरु पूर्णिमा के दिन निजधाम वासी बाबा जयगुरुदेव जी महाराज के द्वारा विहंगम दृष्टि डाला हुआ प्रसाद उनके उत्तराधिकारी बाबा उमाकान्त जी महाराज आप लोगों के लिए भेजे हैं।

आपको जानकारी हो कि यह वही बाबा उमाकान्त जी महाराज हैं जिनका दर्शन करने, सतसंग सुनने व बताए रास्ते पर चलने से तकलीफों में आराम मिलने लगता है। बाबाजी देश विदेश में घूम कर लाखों लोगों को भगवान की प्राप्ति का रास्ता बता चुके हैं। लोग यह **'सुरत शब्द योग'** की साधना करके लोक परलोक का आनंद प्राप्त कर रहे हैं। अपने जीवन के बचे हुए समय में से थोड़ा सा समय निकाल कर आप भी बाबा उमाकान्त जी महाराज का दर्शन जरूर करिएगा। आपके यहां यह जो गुरु पूजन और प्रसाद वितरण का कार्यक्रम होने जा रहा है उसमें पहुंचकर प्रसाद जरुर लीजिएगा।

बाबा उमाकान्त जी महाराज के जीव-हितकारी वचन

- प्रभु, गुरु तथा मौत को हमेशा याद रखो।
- करोड़ों जन्मों के पुण्य जब इकट्ठा होते हैं तब वक्त के समरथ सन्त के दर्शन, सतसंग और नामदान का लाभ मिलता है।
- नामदान देने वाला एक समय पर एक ही रहता है। बिना आदेश के कोई किसी को नामदान दे दे तो फलीभूत नहीं होता।
- साधक बनकर या नामदान लेकर किसी को धोखा दिया तो सख्त सजा मिलेगी।
- वक्त के समर्थ गुरु का सतसंग सब प्रकार से फलदायी होता है। उनके सतसंग में जाने से बीमारी, तकलीफों में राहत तो मिलती ही है साथ ही साथ भाव भक्ति के अनुसार कामना भी पूरी हो जाती है।

पीछे पृष्ठ को भी पढ़ें...

जय गुरु देव

- ❖ जीवात्मा की मुक्ति-मोक्ष के लिए वक्त के संत सतगुरु के पास जाना ही पड़ता है और उनके बताने समझाने पर मान जाने वालों की हमेशा हर जगह रक्षा होती ही है।
- ❖ मनुष्य शरीर अनमोल है, इसे मांसाहार, नशाखोरी और चरित्रहीनता से जानलेवा बीमारियों का घर मत बनाओ।
- ❖ किराए के मकान की तरह यह मनुष्य शरीर जब वह मालिक खाली कराएगा तब यहां की कोई चीज साथ जाने वाली नहीं रहेगी।
- ❖ सतयुग को तो आना ही है। आप अपने को उस योग्य, लायक समय रहते बना लीजिये।
- ❖ यदि लोगों ने अपना चाल-चलन नहीं सुधारा, व्यभिचार नहीं छोड़ा तो ऐसी बीमारियां पकड़ेंगी कि जान बचाना तो मुश्किल होगा ही, नर्क-चौरासी में कर्मों की सजा भी भोगनी पड़ेगी।
- ❖ छोटे बनकर काम करने से कामयाबी जल्दी मिलती है। छोटा बन जाने से सभी लोग प्रेम करने लगते हैं।
- ❖ सतसंग के वचन सुनते रहना चाहिए। क्षमता के अनुसार सबको कुछ न कुछ सेवा करते रहना चाहिए। गुरु की दया लेने के लिए तन-मन-धन की सेवा का संकल्प बनाना चाहिए, अच्छे काम का संकल्प पूरा हो जाता है।
- ❖ बुरा आदमी कितना भी प्रभावशाली हो जाए उसका अंत जल्दी होता है।
- ❖ इतिहास उठाकर देख लो, युग परिवर्तन के समय महापुरुषों की बात न मानने पर बहुत से लोगों की जान चली गई।
- ❖ आपकी वजह से किसी का नुकसान न हो। आप किसी के दिल को दुखाने का काम मत करो। किसी भी धार्मिक स्थान, ग्रंथ, मंदिर, पुजारी की निंदा मत करो।
- ❖ जातिवाद, भाई-भतीजावाद, भाषावाद, कौमवाद, एरियावाद खून बहा देता है। इससे दूर रहना चाहिए। लोगों को जोड़ने का काम करो, तोड़ने का नहीं।
- ❖ बराबर देश प्रेम बनाए रखना। देश की संपत्ति का कोई नुकसान आपकी वजह से ना हो इसकी पूरी कोशिश आपकी रहे।
- ❖ बिना मेहनत का पैसा फलता-फूलता नहीं है।
- ❖ ध्यान दें ! बच्चे और बच्चियों के चरित्र का गिरना भारत जैसे धार्मिक देश के लिए खतरनाक होगा।
- ❖ बड़े-बुजुर्गों, माता-पिता की सेवा करो और अधिकारी, कर्मचारी सभी का सम्मान करो।

बीमारी व तकलीफों में आराम देने वाला नाम 'जयगुरुदेव'

जयगुरुदेव जयगुरुदेव जयगुरुदेव जय जयगुरुदेव

की ध्वनि रोज सुबह शाम बोलिए और परिवार वालों को भी बोलवाइये।

बाबा उमाकान्त जी महाराज के मुख्य आश्रम का पता
बाबा जयगुरुदेव धर्म विकास संस्था,
मक्सी रोड, उज्जैन (म.प्र.,भारत)
✆ 9575600700, 9754700200
jaigurudevukm

सम्पर्क

विनीत
बाबा जयगुरुदेव संगत
प्रांत का नाम.....